

इस अंक में...

8 | जिसे बदल नहीं सकते उसे सहन कीजिए

10 | समसामयिकी घटना संग्रह

12 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

20 आर्थिक घटना संग्रह

- याहू इंडिया की वर्ष 2015 की सर्वश्रेष्ठ व्यक्तित्व सूची में गाय को शीर्ष स्थान
- फोर्ब्स पत्रिका ने वर्ष 2015 में व्यापार के लिए सर्वश्रेष्ठ देशों की सूची जारी की
- सार्वजनिक ऋण में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि

23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- उत्तर प्रदेश के विकास के लिए रतन टाटा और मुख्यमंत्री अखिलेश के बीच समझौता पत्र पर हस्ताक्षर
- संसद ने जुवेनाइल जस्टिस बिल 2015 को मंजूरी दी
- मुख्यमंत्री अखिलेश ने ₹ 585 करोड़ की 148 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया
- सरकार ने पीएफ निकालने में खत्म किया नियोक्ता का हस्तक्षेप

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- मोदी ने अफगान संसद की इमारत का उद्घाटन किया, पाकिस्तान पहुँच शरीफ को दी जन्मदिन की बधाई
- भारत और जापान ने 16 दस्तावेजों के आदान-प्रदान सहित असैन्य परमाणु ऊर्जा पर समझौता किया
- प्रधानमंत्री मोदी की दो दिवसीय रूस यात्रा सम्पन्न

31 खेल खिलाड़ी

- हॉकी इंडिया लीग का प्रायोजक होगा कोल इंडिया लिमिटेड
- 12वें दक्षिण एशियाई खेल-2016 का प्रतीक चिन्ह और शुभंकर गुवाहाटी में जारी किया गया
- भारत के शीर्ष टेस्ट बल्लेबाज बने अजिंक्य रहाणे
- 79 वर्षों बाद ब्रिटेन ने जीता डेविस कप
- अमिताभ बच्चन बने आईपीटीएल की सिंगापुर स्लैमर्स के सहमालिक
- निको रोसबर्ग, वर्ष 2015 की अबुधाबी ग्रांड प्रिक्स के विजेता बने
- योनेक्स ग्रांड प्रिक्स बैडमिंटन टूर्नामेंट सम्पन्न

35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

- 38** बैंकिंग लेख-कॉर्पोरेट क्षेत्रक के कर्जदार
- 39** अन्तरिक्ष लेख-एस्ट्रोसैट-अन्तरिक्ष में नया कीर्तिमान
- 75** प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 77** तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-70 का परिणाम
- 78** विविध तथ्य-बैंकिंग : एक दृष्टि में
- 80** रोजगार अवसर
- 81** समसामयिक घटनाएं

हल प्रश्न-पत्र

- 40** आर.आर.सी. (गोरखपुर) गुप 'डी' परीक्षा, 2014
- 46** केन्द्रीय विद्यालय संगठन प्राथमिक शिक्षक परीक्षा, 2015
- 54** मध्य प्रदेश उत्कृष्ट विद्यालय/मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा, 2015
- आर.आर.बी. ऑफिस असिस्टेंट परीक्षा, 2015
- 59** तर्कशक्ति
- 62** English Language
- 65** परिमाणात्मक अभिरुचि
- 69** सामान्य सचेतता
- 72** कम्प्यूटर जागरूकता

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिस्टर' की नहीं है.

◉ सम्पादक : महेन्द्र जैन
 ◉ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
 ◉ सम्पादकीय ऑफिस
 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
 आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
 फोन- 4053333, 2531101, 2530966
 फेक्स- (0562) 4053330
 ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
 कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in
 ◉ दिल्ली ऑफिस
 4845, असारी रोड, दरियागंज,
 नई दिल्ली-110 002
 फोन- 011-23251844/66

◉ पटना ऑफिस
 पारस भवन (प्रथम तल),
 खजांची रोड,
 पटना-800 004
 फोन- 0612-2673340
 मो-09334137572

◉ कोलकाता ऑफिस
 28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
 कोलकाता- 700 004
 फोन- 033-25551510
 मो- 07439359515

◉ हैदराबाद ऑफिस
 1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
 बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद-500 044
 फोन- 040-66753330
 मो- 09391487283

◉ हल्द्वानी ऑफिस
 8-310/1, ए. के. हाउस
 हीरानगर, हल्द्वानी,
 जिला-नैनीताल- 263 139 (उत्तराखण्ड)
 मो- 07060421008

◉ लखनऊ ऑफिस
 B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
 टैक्सो स्टेण्ड लेन, मवईया,
 लखनऊ- 226 004
 फोन- 0522-4109080
 मो- 09760181118

जिसे बदल नहीं सकते उसे सहन कीजिए



—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

यह एक नेक सलाह है, जो अनुभवियों ने हमें दी है कि 'जिसे आप बदल नहीं सकते, उसे सहन कीजिए.'

Bear what U can't change.

Change what U can't Bear.

इस दुनिया में ऐसा कोई भी प्राणी नहीं है, न ही कभी हुआ होगा जिसे सब कुछ अनुकूल ही अनुकूल (Favourable) मिला हो. सुपर हीरो हो या भगवान, हरेक की जिन्दगी में ऐसी परिस्थितियाँ आती ही हैं, जो कठिन हो, प्रतिकूल हो, जटिल हो, जिसे बदल पाना आसान न हो. हम उन हालातों में क्या करें ? हम उन हालातों में भी अपना विकास करें. अपनी आन्तरिक क्षमताओं का विकास करें. जटिल हालातों को भी सरलता से पार पाया जा सकता है, बशर्ते हमारे विश्वास सकारात्मक हो. यदि हमारे भीतर सही सोच व आत्मविश्वास है तो कठिन-से-कठिन हालात भी हमारी मस्ती में बाधक नहीं बनेंगे.

आइए जानें, कुछ ऐसे टिप्स जिन्हें अपनाकर हम प्रतिकूल-जटिल हालातों को आसानी से सहन कर सकें—

(1) स्वीकार भाव का विकास हो—

किसी शायर ने कहा है कि—

हालात के मारे तो सँभल जाते हैं अक्सर।
अहसास के मारों को सँभलते नहीं देखा॥

यह कितना सच है, वो तो आपका अनुभव ही बताएगा. हम सभी हालातों से उतने परेशान नहीं होते जितने अहसासों से. किसी मित्र द्वारा वादा तोड़ दिए जाने पर हमें दुःख होता है, किन्तु अगर उसकी मजबूरियाँ पता चल जाएं, तो हम उसे माफ कर देते हैं. उसका वादा तोड़ना शायद स्वीकार भी कर लेते हैं, परन्तु वही मित्र अगर वादा जानबूझकर तोड़े, लापरवाही में तोड़े, तोड़कर भी खुशी जाहिर करे, तो हम उसे सहन नहीं कर पाते. हर हाल में दूसरों की खुदगर्जी, वादाखिलाफी, बेरुखी, लापरवाही एवं जुदाई हमारे लिए असहनीय

होती है. हम उन सभी अहसासों को सहन नहीं कर पाते, जिन्हें हम सहना नहीं चाहते, जिन्हें हम स्वीकारना नहीं चाहते. पर इन नकारात्मक अहसासों (Negative feelings) से बचना, पूर्णतया बच के रहना आज की दुनिया में असम्भव-प्रायः है. ऐसी खुदगर्जी व लापरवाही, जिद्द व आक्रामकता आम बात हो गई है. अधिकांश लोग स्व-सुख केन्द्रित जिन्दगी ही जीते हैं. अपना सुख मिल जाने पर अन्य की उपेक्षा (Ignore) करना शुरू कर देते हैं. उन्हें देखकर भी अनदेखा (Let go) करने लगते हैं. ऐसे में भावुक मन टूट कर बिखर जाता है. रोने-कलपने लगता है या तो आत्मघाती रवैया अपना लेता है, निराशा जैसी मानसिक बीमारियों का शिकार बन जाता है अथवा आक्रामक बनकर वार का प्रतिवार करता है. अपनी कुंठा व भड़ास निकालने के लिए अन्यों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना शुरू कर देता है. प्रतिकूल हालातों को अगर बदला नहीं जा सकता तो नेक सलाह यही है कि हम इन विविध प्रकृति के लोगों को स्वीकार करें.